



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1301]

नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 31, 2006/कार्तिक 9, 1928

No. 1301]

NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 31, 2006/KARTIKA 9, 1928

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 31 अक्टूबर, 2006

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

(प्रतिभूति अभिरक्षक) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2006

का.आ. 1860(अ).—बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूति अभिरक्षक) विनियम, 1996 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :-

1. इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूति अभिरक्षक) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2006 कहा जा सकेगा ।
2. वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।
3. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूति अभिरक्षक) विनियम, 1996 में -

- (i) विनियम 9 के पश्चात्, निम्नलिखित विनियम अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् -

"विधिमान्यता की कालावधि

9क. (1) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूति अभिरक्षक) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2006 के प्रारंभ को तथा के पश्चात् विनियम 8 के उप-विनियम (3) के अधीन प्रदान किया गया प्रत्येक प्रमाणपत्र रजिस्ट्रीकरण या इसका नवीकरण प्रदान किये जाने की तारीख से तीन वर्षों की कालावधि के लिए विधिमान्य होगा।

(2) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूति अभिरक्षक) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2006 के प्रारंभ से पूर्व विनियम 8 के उप-विनियम (3) के अधीन प्रदान किया गया प्रत्येक प्रमाणपत्र ऐसे प्रारंभ या इसके नवीकरण से तीन वर्षों की कालावधि के लिए विधिमान्य होगा।

प्रमाणपत्र का नवीकरण

9ख. (1) प्रतिभूति अभिरक्षक, अपने प्रमाणपत्र को नवीकृत कराने की वांछ करने वाला, प्ररूप क में प्रमाणपत्र के नवीकरण के लिए बोर्ड को आवेदन करेगा, विनियम 9क के अधीन इसकी विधिमान्यता की कालावधि की समाप्ति के कम से कम तीन मास पूर्व।

(2) प्रमाणपत्र के नवीकरण के लिए आवेदन पर कार्यवाही की जाएगी, जहां तक हो सके, मानो वे विनियम 3 के अधीन नया प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने के लिए आवेदन हों और इससे अनुसूची II में यथा विनिर्दिष्ट आवेदन फीस संलग्न होगी।"

- (ii) विनियम 15 में, निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्-
"परंतु यह कि प्रतिभूति अभिरक्षक व्यक्ति, जो अभिरक्षक न हो, की सेवाएँ ले सकेगा, स्वर्ण एक्सचेंज व्यापारित निधि स्कीम वाली पारस्परिक निधि होने के नाते इसके ग्राहक के स्वर्ण को भौतिक सुरक्षा में रखने के प्रयोजन के लिए, निम्नलिखित शर्तों के अधीन -

- (क) प्रतिभूति अभिरक्षक ऐसे अन्य व्यक्ति के पास रखे गये स्वर्ण की सुरक्षा के लिए अपने ग्राहक के प्रति सभी प्रकार से जिम्मेदार रहेगा, जिसमें कोई संबंधित जोखिम सम्मिलित हैं ;

(ख) अन्य व्यक्ति के पास इस प्रकार रखी गयी स्वर्ण से संबंधित सभी बहियों, दस्तावेजों और अन्य अभिलेखों को अभिरक्षक के परिसर में रखा जाएगा या यदि उन्हें इस प्रकार नहीं रखा जाता है, तो उन्हें उसमें उपलब्ध कराया जाएगा, यदि बोर्ड द्वारा ऐसा अपेक्षित हो ;

(ग) प्रतिभूति अभिरक्षक अन्य व्यक्ति के पास इस प्रकार रखे गए स्वर्ण के संबंध में ग्राहकों के प्रति सभी कर्तव्यों को पूरा करता रहेगा, इसकी भौतिक सुरक्षा के सिवाय ।"

(iii) दूसरी अनुसूची में -

क. भाग क को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् -

"भाग क
फीस के रूप में अदा की जाने वाली रकम

(i) आवेदन फीस	रु. 1,00,000/-
(ii) रजिस्ट्रीकरण फीस	रु. 15,00,000/-
(iii) वार्षिक फीस	रु. 10,00,000/- या
प्रतिभूति अभिरक्षक की	
'अभिरक्षा के अधीन आस्तियों' का 0.001%,	
जो भी उच्चतर हो ।	

स्पष्टीकरण I : इस भाग के प्रयोजन के लिए, पद 'अभिरक्ष के अधीन आस्तियों' से प्रतिभूति अभिरक्षक द्वारा धारित आस्तियों का मूल्य अभिप्रेत होगा जैसा उसके द्वारा पैरा II के उप-पैरा (4) के अधीन प्रकट किया गया है ।

स्पष्टीकरण II : यह स्पष्ट किया जाता है कि कोई रजिस्ट्रीकरण फीस खंड (ii) के अधीन संदेय नहीं होगी, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के नवीकरण के मामले में । "

ख. भाग ख में, पैरा ॥ को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जायेगा,
अर्थात् -

"॥. वार्षिक फीस का भुगतान

- (1) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूति अभिरक्षक) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2006 के प्रारंभ से ही वार्षिक फीस प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संदर्भ में संदेय होगी, वित्तीय वर्ष के समाप्ति के एक मास के भीतर ।
- (2) प्रतिभूति अभिरक्षक जिसे भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूति अभिरक्षक) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2006 के प्रारंभ को तथा के पश्चात् रजिस्ट्रीकरण प्रदान किया जाता है वित्तीय वर्ष, जिसमें उसे रजिस्ट्रीकरण प्रदान किया गया था, की बाबत आनुपातिक वार्षिक फीस और प्रत्येक पश्चात्वर्ती वित्तीय वर्ष जिसके दौरान रजिस्ट्रीकरण अस्तित्व में रहता है के लिए पूर्ण वार्षिक फीस अदा करेगा ।
- (3) प्रतिभूति अभिरक्षक जिसे भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूति अभिरक्षक) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2006 के प्रारंभ से पूर्व रजिस्ट्रीकरण प्रदान किया जाता है ऐसे प्रारंभ के वित्तीय वर्ष की बाबत आनुपातिक वार्षिक फीस और प्रत्येक पश्चात्वर्ती वित्तीय वर्ष जिसके दौरान रजिस्ट्रीकरण अस्तित्व में रहता है के लिए पूर्ण वार्षिक फीस अदा करेगा :

परंतु यह कि भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूति अभिरक्षक) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2006 के प्रारंभ से पूर्व प्रतिभूति अभिरक्षक द्वारा अदा की गयी कोई वार्षिक फीस, कालावधि की बाबत, जिसका संपूर्ण या एक भाग ऐसे प्रारंभ के पश्चात् आता है, इस उप-पैरा के अधीन संदेय रकम के प्रति आनुपातिक रूप से समायोजित की जायेगी ।

- (4) वार्षिक फीस के भुगतान के साथ अभिरक्षा के अधीन आस्तियों का विवरण संलग्न होगा जो ऐसे फॉर्मेट में होगा जो बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए और जिसकी सत्यता तथा पूर्णता

प्रतिभूति अभिरक्षक की अभिरक्षा सेवाओं के कार्यात्मक प्रमुख द्वारा प्रमाणित की जाएगी।"

[फा. सं. भाप्रविबो/विकावि/नीप्र/79054/2006]

एम. दामोदरन, अध्यक्ष

पाद टिप्पण :

- (1) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूति अभिरक्षक) विनियम, 1996, मूल विनियम, का.आ.सं.344 (अ), 16 मई, 1996 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे।
- (2) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूति अभिरक्षक) विनियम, 1996 तत्पश्चात्-
 - (क) 4 दिसम्बर, 1996 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूति अभिरक्षक) (संशोधन) विनियम, 1996, का.आ. सं.851(अ), द्वारा
 - (ख) 17 अक्टूबर, 1997 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूति अभिरक्षक) (संशोधन) विनियम, 1997, का.आ. सं.732(अ), द्वारा
 - (ग) 5 जनवरी, 1998 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूति अभिरक्षक) (संशोधन) विनियम, 1998, का.आ. सं.17(अ), द्वारा
 - (घ) 28 मार्च, 2000 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण को अपील) (संशोधन) विनियम, 2000, का.आ. सं.278 (अ), द्वारा
 - (ङ) 29 मई, 2001 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मध्यवर्तियों द्वारा विनिधान सलाह) (संशोधन) विनियम, 2001, का.आ. सं. 476 (अ), द्वारा
 - (च) 27 सितंबर 2002 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जाँच अधिकारी द्वारा जाँच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) विनियम, 2002, का.आ. सं.1045 (अ), द्वारा
 - (छ) 10 मार्च 2004 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति के लिए मानदंड) विनियम, 2004, का.आ. सं. 398 (अ), द्वारा
 - (ज) 12 जनवरी 2006 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूति अभिरक्षक) (संशोधन) विनियम, 2006, का.आ. सं. 39 (अ), द्वारा संशोधित हुए थे।

3464 GI/06-2

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA
NOTIFICATION**

Mumbai, the 31st October, 2006

**Securities and Exchange Board of India
(Custodian of Securities) (Second Amendment)
Regulations, 2006**

S.O. 1860(E).—In exercise of the powers conferred by section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board hereby makes the following Regulations to further amend the Securities and Exchange Board of India (Custodian of Securities) Regulations, 1996, namely :-

1. These Regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Custodian of Securities) (Second Amendment) Regulations, 2006.
2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
3. In the Securities and Exchange Board of India (Custodian of Securities) Regulations, 1996 –

(i) after regulation 9, the following regulations shall be inserted, namely:—

"Period of validity

9A. (1) Every certificate granted under sub-regulation (3) of regulation 8 on and after the commencement of the Securities and Exchange Board of India (Custodian of Securities) (Second Amendment) Regulations, 2006 shall be valid for a period of three years from the date of grant of registration or its renewal.

(2) Every certificate granted under sub-regulation (3) of regulation 8 before the commencement of the Securities and Exchange Board of India (Custodian of Securities) (Second Amendment) Regulations, 2006 shall be valid for a period of three years from such commencement or its renewal.

Renewal of certificate

9B. (1) A custodian of securities, desirous of having its certificate renewed shall make an application to the Board for renewal of the certificate in Form A, not less than three months before the expiry of its period of validity under regulation 9A.

(2) The application for renewal of certificate shall be dealt with, as far as may be, as if it were an application for the grant of a fresh certificate under regulation 3 and shall be accompanied with the application fee as specified in Schedule II."

(ii) in regulation 15, the following proviso shall be inserted, namely:—

"Provided that a custodian of securities may engage the services of a person not being a custodian, for the purpose of physical safekeeping of gold belonging to its client being a mutual fund having a gold exchange traded fund scheme, subject to the following conditions —

- (a) the custodian of securities shall remain responsible in all respects to its client for safekeeping of the gold kept with such other person, including any associated risks;
- (b) all books, documents and other records relating to the gold so kept with the other person shall be maintained in the premises of the custodian or if they are not so maintained, they shall be made available therein, if so required by the Board;
- (c) the custodian of securities shall continue to fulfill all duties to the clients relating to the gold so kept with the other person, except for its physical safekeeping."

(iii) in Second Schedule —

a. Part A shall be substituted with the following, namely:—

3464 GI/06-3

"PART A

AMOUNT TO BE PAID AS FEES

(i) Application fee	Rs. 1,00,000/-
(ii) Registration fee	Rs. 15,00,000/-
(iii) Annual fee	Rs. 10,00,000/- or
	0.001% of the 'assets under custody'
	of the custodian of securities,
	whichever is higher.

Explanation I: For the purpose of this part, the expression 'assets under custody' shall mean the value of the assets held by the custodian of securities as disclosed by him under sub-paragraph (4) of paragraph II.

Explanation II: It is clarified that no Registration fee shall be payable under clause (ii), in case of renewal of the certificate of registration."

- b. in Part B, paragraph II shall be substituted with the following, namely:—

"II. Payment of annual fee

(1) On and from the commencement of the Securities and Exchange Board of India (Custodian of Securities) (Second Amendment) Regulations, 2006 the annual fee shall be payable with reference to each financial year, within one month of completion of the financial year.

(2) A custodian of securities who is granted registration on and after the commencement of the Securities and Exchange Board of India (Custodian of Securities) (Second Amendment) Regulations, 2006 shall pay proportionate annual fee in respect of the financial year in which he was granted registration and full annual fee for every subsequent financial year during which the registration subsists.

(3) A custodian of securities who is granted registration before the commencement of the Securities and Exchange Board of India (Custodian of Securities) (Second Amendment) Regulations,

2006 shall pay proportionate annual fee in respect of the financial year of such commencement and full annual fee for every subsequent financial year during which the registration subsists:

Provided that any annual fee paid by a custodian of securities before the commencement of the Securities and Exchange Board of India (Custodian of Securities) (Second Amendment) Regulations, 2006, in respect of a period, the whole or part of which falls after such commencement, shall be proportionately adjusted against the amount payable under this sub-paragraph.

(4) The payment of annual fee shall be accompanied by a statement of assets under custody which shall be in such format as may be specified by the Board and shall be certified to be true and complete by the functional head of custody services of the custodian of securities."

[F. No. SEBI/LAD/DOP/79054/2006]

M. DAMODARAN, CHAIRMAN

Footnotes:

(1) The Securities and Exchange Board of India (Custodian of Securities) Regulations, 1996, the Principal Regulations were published in the Gazette of India on May 16, 1996 vide S.O. No. 344(E).

(2) The Securities and Exchange Board of India (Custodian of Securities) Regulations, 1996 were subsequently amended –

(a) on December 4, 1996 by the Securities and Exchange Board of India (Custodian of Securities) (Amendment) Regulations, 1996 vide S.O. No.851(E).

(b) on October 17, 1997 by the Securities and Exchange Board of India (Custodian of Securities) (Amendment) Regulations, 1997 vide S.O. No.732 (E).

(c) on January 5, 1998 by the Securities and Exchange Board of India (Custodian of Securities) (Amendment) Regulations, 1998 vide S.O. No.17 (E).

(d) on March 28, 2000 by the Securities and Exchange Board of India (Appeal to the Securities Appellate Tribunal) (Amendment) Regulations, 2000 vide S.O. No.278(E).

- (e) on May 29, 2001 by the Securities and Exchange Board of India (Investment Advice by Intermediaries) (Amendment) Regulations, 2001 vide S.O. No.476(E).
- (f) on September 27, 2002 by the Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) Regulations, 2002 vide S.O. No.1045(E).
- (g) on March 10, 2004 by the Securities and Exchange Board of India (Criteria for Fit and Proper Person) Regulations, 2004 vide S.O. No. 398(E).
- (h) on January 12, 2006 by the Securities and Exchange Board of India (Custodian of Securities) (Amendment) Regulations, 2006 vide S.O. No.39 (E).